सिद्ध क्षेत्र

श्री द्रोणागिरी जी

Shri Dronagiri Siddha Kshetra, M.P.

अर्घ

फलहोड़ी बडगांव अनूप पश्चिम, दिशा द्रोणागिरि रूप।
गुरूदत्तादि मुनिश्वर जहाँ, मुक्ति गये बन्दो नित वहाँ॥
जल सु चन्दन अक्षत लीजिये, पुष्प धर नैवेद्य गनीजिये।
दीप धूप सुफल बहु साजहीं, जिन चढ़ाय सुपातक भाजहीं॥

ॐ ह्रीं श्री द्रोणागिरि सिद्ध क्षेत्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।